SUBJECT NAME HISTORY

SUBJECT CODE 027

(Q.P. CODE 61-4-3)

Marking Scheme –Hindi medium

Strictly Confidential

(For Internal and Restricted use only)

Senior Secondary School Certificate Examination, 2026

सामान्य निर्देश-:

1	सीबीएसई ने 2026 की परीक्षा से कक्षा XII की उत्तर पुस्तिका के मूल्यांकन के लिए ऑन स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) शुरू करने का निर्णय लिया है।
2	आप जानते हैं कि उम्मीदवारों के वास्तविक और सही आकलन में मूल्यांकन सबसे महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी सी गलती भी गंभीर समस्याओं को जन्म दे सकती है, जिससे उम्मीदवारों, शिक्षा प्रणाली और शिक्षण पेशे के भविष्य पर गहरा असर पड़ सकता है। गलतियों से बचने के लिए, आपसे अनुरोध है कि मूल्यांकन शुरू करने से पहले, मौके पर किए गए मूल्यांकन के दिशानिर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें और समझें।
3	मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं", किए गए मूल्यांकन और कई अन्य पहलुओं की गोपनीयता से संबंधित है। किसी भी तरह से इसका सार्वजनिक होना परीक्षा प्रणाली को बाधित कर सकता है और लाखों उम्मीदवारों के जीवन और भविष्य को प्रभावित कर सकता है। इस नीतिदस्तावेज़ को किसी के साथ साझा करना/, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्रवेबसाइट आदि में छापना बोर्ड के विभिन्न नियमों और / "आईपीसी के तहत कार्रवाई को आमंत्रित कर सकता है।
4	मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया जाना चाहिए। यह किसी की व्यक्तिगत व्याख्या या अन्य किसी विचार के आधार पर नहीं किया जाना चाहिए। अंकन योजना का कड़ाई से पालन किया जाना चाहिए। हालांकि, मूल्यांकन करते समय, नवीनतम जानकारी या ज्ञान पर आधारित औरया नवीन उत्तरों की शुद्धता/ का अलग से मूल्यांकन किया जा सकता है और उन्हें उचित अंक दिए जा सकते हैं। कक्षा XII में, दो योग्यताआधारित प्रश्नों का मूल्यांकन - करते समय, कृपया दिए गए उत्तर को समझने का प्रयास करें और यदि उत्तर अंकन योजना के अनुसार नहीं है, लेकिन उम्मीदवार द्वारा सही योग्यता का उल्लेख किया गया है, तो उचित अंक दिए जाने चाहिए।
5	अंकन योजना में उत्तरों के लिए केवल सुझाए गए अंक दिए गए हैं। ये केवल दिशानिर्देश हैं और पूर्ण उत्तर नहीं हैं। छात्र अपनी अभिव्यक्ति दे सकते हैं और यदि अभिव्यक्ति सही है, तो तदनुसार अंक दिए जाने चाहिए।

6	मुख्य परीक्षक को पहले दिन प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता द्वारा मूल्यांकित की गई पहली पाँच उत्तर पुस्तिकाओं की जाँच करनी चाहिए, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया गया है। यदि कोई भिन्नता पाई जाती है, तो विचार-विमर्श और चर्चा के बाद उसे शून्य कर दिया जाना चाहिए। शेष उत्तर पुस्तिकाएँ, जिनका मूल्यांकन किया जाना है, तभी दी जाएँगी जब यह सुनिश्चित हो जाए कि प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता के अंकन में कोई महत्वपूर्ण भिन्नता नहीं है।
7	मूल्यांकनकर्ता सही उत्तरों पर चिह्न लगाएंगे। गलत उत्तरों पर (√)'x' का निशान लगाया जाएगा। मूल्यांकन करते समय मूल्यांकनकर्ता सही चिह्न नहीं लगाएंगे (✓), जिससे यह आभास होगा कि उत्तर सही है और कोई अंक नहीं दिए जाएंगे। यह मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा की जाने वाली सबसे आम गलती है।
8	यदि किसी प्रश्न के कई भाग हैं, तो कृपया प्रत्येक भाग के लिए OSM पोर्टल में दाईं ओर अंक दें। प्रश्न के विभिन्न भागों के लिए दिए गए अंकों को OSM सिस्टम द्वारा कुल मिलाकर जोड़ा जाएगा।
9	यदि किसी प्रश्न के कोई भाग नहीं हैं, तो OSM पोर्टल में बाईं ओर के हाशिये में अंक दिए जाने चाहिए। इसका सख्ती से पालन किया जाना चाहिए।
10	किसी त्रुटि के संचयी प्रभाव के लिए कोई अंक नहीं काटे जाएंगे। इसके लिए केवल एक बार ही दंड दिया जाना चाहिए।
11	उत्तर के लिए पूर्ण अंक प्रणाली 80 (उदाहरण के लिए प्रश्न पत्र में दिए गए से 0 80/70/60/50/40/का उपयोग किया जाना है। यदि उत्तर उचित हो तो पूर्ण अंक देने (अंक 30 में संकोच न करें।
12	प्रत्येक परीक्षक को अनिवार्य रूप से पूरे कार्य समय यानी प्रतिदिन घंटे मूल्यांकन कार्य करना 8 उत्तर पुस्तिकाओं और 20 होगा और मुख्य विषयों में प्रतिदिनअन्य विषयों में प्रतिदिन उत्तर 25 । यह कम (विवरण स्पॉट दिशानिर्देशों में दिया गया है) पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करना होगा किए गए पाठ्यक्रम और प्रश्नपत्र में प्रश्नों की संख्या को ध्यान में रखते हुए किया गया है।
13	सुनिश्चित करें कि आप परीक्षक द्वारा अतीत में की गई निम्नलिखित सामान्य त्रुटियों को न दोहराएँ: उत्तरों को सही चिह्नित करना ●, लेकिन अंक न देना। सुनिश्चित करें कि सही निशान स्पष्ट रूप) से लगा हो। यह केवल एक रेखा होनी चाहिए। गलत उत्तर के लिएx का निशान भी ऐसा ही होना चाहिए।(उत्तर का आधा या आंशिक भाग सही और शेष गलत चिह्नित करना, लेकिन अंक न देना।

14	उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते समय यदि उत्तर पूरी तरह से गलत पाया जाता है, तो उसे क्रॉस)X) के रूप में चिह्नित किया जाना चाहिए और शून्य)0अंक दिए जाने चाहिए। (
15	वास्तविक मूल्यांकन शुरू करने से पहले परीक्षकों को मौके पर मूल्यांकन के लिए " निर्देशों से स्वयं को परिचित कर लेना चाहिए।-में दिए गए दिशा "दिशानिर्देश
16	निर्धारित प्रोसेसिंग शुल्क का भुगतान करने पर उम्मीदवारों को अनुरोध पर उत्तर पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करने का अधिकार है। सभी परीक्षकोंमुख्य /अतिरिक्त मुख्य परीक्षकों/ परीक्षकों को एक बार फिर याद दिलाया जाता है कि उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए प्रत्येक उत्तर के लिए निर्धारित अंकों के अनुसार ही किया जाए।
17	अगर कोई कैंडिडेट किसी सवाल में दोनों ऑप्शन आज़माता है, जहाँ सिर्फ़ एक ऑप्शन आज़माना ज़रूरी है, तो इवैल्यूएटर दोनों ऑप्शन में मार्क्स देगा। सिस्टम दो में से ज़्यादा वाला स्कोर लेगा और दूसरे जवाब को नज़रअंदाज़ कर देगा।
18	दो विकल्पों वाले प्रश्न में, यदि उम्मीदवार ने केवल एक का प्रयास किया है, तो मूल्यांकनकर्ता उस विकल्प के सामने "एनए" (प्रयास नहीं किया गया) चिह्नित करेगा जिसका उम्मीदवार द्वारा प्रयास नहीं किया गया है।

अंकन योजना

इतिहास (विषय कोड-027)

(पेपर कोड : 61/4/3) (12-04-27N)

नोट: अंकन योजना में उल्लिखित पृष्ठ संख्याएँ नवीनतम एनसीईआरटी ई-पुस्तक से ली गई हैं।

प्रश्न सं.	मूल्य बिंदु	पृष्ठ.संख्या	अंक
	खंड-क **(बहुविकल्पीय प्रकार के प्रश्न)**		**21x1= 21**
1.	B – अकबर	197	1
2.	D – कृष्णा और तुंगभद्रा नदियों के बीच का क्षेत्र	173	1
3.	B – केवल I और II सही हैं	164-165	1
4.	C – मार्को पोलो- इटली	137	1
5.	B – विवाह के समय और रिश्तेदारों से प्राप्त उपहार	68	1
6.	A. a-ii , b- i, c-iv, d-iii	21-22	1
7.	D – मथुरा **दृष्टिबाधित उम्मीदवारों के लिए:** C – थेरवेद	103 103	1 1
8.	D. एकलव्य	62	1
9.	प्रश्न में दिए गए विकल्पों में से कोई भी सही नहीं है। अतः प्रश्न का उत्तर देने वाले छात्रों को एक अंक दिया जाएगा।		1
10.	D - मेलुहा हड़प्पा के व्यापारिक क्षेत्र को संदर्भित करता था।	14	1
11.	D – बम्बई	255	1
12.	B – ज्योतिबा फुले	326	1
13.	C – अभिकथन (A) सत्य है, परन्तु कारण (R) असत्य है।	270	1
14.	A - a-iv, b- iii, c-ii, d-i	332	1
15.	C – बंगाल	287	1
16.	D – मैसूर	262	1

17.	A –सिधू मांझी	242	1
18.	B – I, II, और III सही हैं।	118-119	1
19.	C – गुरु रैदास	165	1
20.	D – बंजर	214	1
21.	A – अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं और कारण (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या है।	32	1
	खण्ड-ख **(लघु उत्तरीय प्रकार के प्रश्न)**		**6x3=18**
22.	(क) **कल्पना कीजिए कि आप हड़प्पा की कृषि पर एक शोध परियोजना लिख रहे हैं। पुरातात्विक साक्ष्यों की कौन सी तीन जानकारीयाँ आप इसे समझाने के लिए उद्धृत करेंगे?** i. अनाज की खोज से कृषि की व्यापकता का संकेत मिलता है। ii. मुहरों और मिट्टी मृणमूर्तियों पर बने चित्र दर्शाते हैं कि वे बैल से परिचित थे। पुरातत्वविदों का अनुमान है कि हल चलाने के लिए बैलों का उपयोग किया जाता था। iii. चोलिस्तान और बनावली के स्थलों पर हल के मिट्टी प्रतिरूप पाए गए हैं। iv. पुरातत्वविदों ने कालीबंगन (राजस्थान) में भी एक जुते हुए खेत के प्रमाण पाए हैं, जो प्रारंभिक हड़प्पा काल से संबंधित है। v. खेत में एक दूसरे के समकोण पर दो हल रेखाएं थीं, जिससे पता चलता है कि दो अलग-अलग फसलें एक साथ उगाई जाती थीं। vi. अफगानिस्तान के शोरतुघाई स्थित हड़प्पा स्थल पर नहरों के निशान पाए गए हैं। vii. कुओं से निकाला गया पानी सिंचाई के लिए उपयोग किया जाता था। viii. धोलावीरा (गुजरात) में पाए गए जलाशयों का उपयोग कृषि के लिए पानी संग्रहित करने के लिए किया जाता रहा होगा। ix. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (मूल्यांकन के लिए कोई तीन बिंदु) **अथवा** **(ख) कल्पना कीजिए कि आपका विद्यालय हड़प्पा सभ्यता पर एक प्रदर्शनी आयोजित कर रहा है और आप उसमे हड़प्पा लिपि से जुड़े अनुभाग के लिए उत्तरदायी हैं। आप आगंतुकों को इसके कौन से तीन पहलू स्पष्ट करेंगे?** i. हड़प्पा की मुहरों पर एक पंक्ति में कुछ लिखा है, जो संभवतः मालिक के नाम व पदवी को दर्शाता है। ii. चित्र (आमतौर पर एक जानवर) अनपढ़ लोगो को सांकेतिक रूप से इसका अर्थ बताता था। iii. ज़्यादातर अभिलेख छोटे हैं, सबसे लंबे अभिलेख में लगभग 26 चिन्ह हैं। iv. हालाँकि यह लिपि आज तक पढ़ी नहीं जा सकी है।	3-4 15	3 3

	v. यह स्पष्ट रूप से वर्णमाला क्रम में नहीं थी क्योंकि इसमें बहुत अधिक चिह्न हैं - लगभग 375 और 400 के बीच। vi.यह लिपि दाएं से बाएं लिखी जाती थी क्योंकि कुछ मुहरों पर दाईं ओर अधिक अंतर और बाईं ओर सिकुड़न दिखती है। vii. यह लिखावट कई वस्तुओं पर मिली है: मुहरे, तांबे के औज़ार, मर्तबानों के किनारे, तांबे और मिट्टी की लघुपट्टिकाए, आभूषण,अस्थि-छड़ें और प्राचीन सूचना पट्ट । viii. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (मूल्यांकन के लिए कोई तीन बिंदु)		
23.	**प्राचीन अभिलेखों की किन्ही तीन सीमाओ का वर्णन कीजिए।** i. तकनीकी सीमाएँ हैं; अक्षर बहुत धुंधले उत्कीर्ण हैं, इसलिए पुनर्निर्माण अनिश्चित है। ii. अभिलेख क्षतिग्रस्त हो सकते हैं या अक्षर गायब हो सकते हैं। iii. अभिलेख में प्रयुक्त शब्दों के सटीक अर्थ के बारे में निश्चित होना हमेशा आसान नहीं होता, क्योंकि इनमें से कुछ शब्द किसी विशेष स्थान या समय से संबंधित हो सकते हैं। iv. कई अभिलेख ऐसे मिले हैं जिनका अभी तक पाठ नहीं किया गया है, प्रकाशित नहीं किया गया है और न ही अनुवाद किया गया है। v. जो अभिलेख मौजूद थे, वे समय के प्रभाव से नष्ट हो गए हैं। vi. कई .अभिलेख ठीक से दर्ज नहीं किए गए हैं। vii. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (मूल्यांकन के लिए कोई तीन बिंदु)	48-49	3
24.	**भारतीय समाज को समझने में अल-बिरूनी के सामने आई बाधाओं की व्याख्या कीजिए।** i. भाषा – संस्कृत अरबी और फ़ारसी से भिन्न थी। ii. धार्मिक विश्वासों और प्रथाओं में अंतर। iii. स्थानीय आबादी का खुद में खो जाना और उसके कारण अलग-थलग पड़ जाना। iv.कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (मूल्यांकन के लिए कोई तीन बिंदु)	124	3
25.	**(क) सिख धर्म में गुरु गोविंद सिंह की भूमिका की व्याख्या कीजिए।** i. वह दसवें गुरु थे। ii. उन्होंने नौवें गुरु तेग बहादुर की रचना को शामिल किया। iii. उन्होंने गुरु ग्रंथ साहिब की रचना की। iv. उन्होंने खालसा पंथ की नींव रखी । v.उन्होंने पाँच सिख प्रतीकों को परिभाषित किया। vi. उन्होंने सिख धर्म को एक सामाजिक-धार्मिक और सैन्य शक्ति के रूप में मजबूत किया।	164	3

	vii. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (मूल्यांकन के लिए कोई तीन बिंदु) **अथवा** **(ख) कबीर के दर्शन में 'परम सत्य' के सिद्धांत की व्याख्या कीजिए।** i कबीर की कविताएँ कई भाषाओं और बोलियों में बची हुई हैं; और कुछ निर्गुण कवियों की खास भाषा, संत भाषा में लिखी गई हैं। दूसरी कविताएँ उलटबांसी के नाम से जानी जाती हैं। ii. शब्दों में परम सत्य का स्वरूप: "बिना फूल के खिलने वाला कमल" या "समुद्र में भड़की हुई आग" जैसे अभिव्यक्तियाँ कबीर के रहस्यमय अनुभवों की भावना व्यक्त करती हैं। iii.उन्होंने परम सत्य को अल्लाह, खुदा, हज़रत और पीर के रूप में वर्णित किया। iv. उन्होंने वेदांतिक परंपराओं से लिए गए शब्दों का भी इस्तेमाल किया, जैसे अलख (अदृश्य), निराकार (निराकार), ब्रह्म, आत्मा, आदि। v.शब्द (ध्वनि) या शून्य (शून्यता) जैसे रहस्यमय अर्थ योगिक परंपराओं से लिए गए थे। vi.कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (मूल्यांकन के लिए कोई तीन बिंदु)	161	3
26.	**अमेरिकी ग्रहयुद्ध ने भारत के रैयतों (किसानों) के जीवन को कैसे प्रभावित किया? स्पष्ट कीजिए।** i. सन् 1861 में अमेरिकी गृहयुद्ध छिड़ गया, जिसका भारतीय किसानों पर सीधा प्रभाव पड़ा क्योंकि अमेरिका ब्रिटेन को कच्चा कपास उपलब्ध कराने में असमर्थ था। ii. ब्रिटेन के कपास उत्पादक क्षेत्रों में दहशत फैल गई। iii. ब्रिटेन को कपास निर्यात बढ़ाने के लिए भारत और अन्य जगहों पर हड़बड़ी भरे संदेश भेजे गए। iv. बंबई में, कपास व्यापारियों ने आपूर्ति का आकलन करने और खेती को प्रोत्साहित करने के लिए कपास उत्पादक क्षेत्रों का दौरा किया। v. कपास की कीमतें बढ़ने के साथ ही बंबई के निर्यात व्यापारी ब्रिटिश मांग को पूरा करने के लिए यथासंभव अधिक से अधिक कपास प्राप्त करने के लिए उत्सुक थे। vi. इसलिए उन्होंने शहरी साहूकारों को ऋण दिया, जिन्होंने बदले में उन ग्रामीण साहूकारों को ऋण दिया जिन्होंने उपज को सुरक्षित रखने का वादा किया था। vii. बाजार में तेजी आई और ऋण आसानी से उपलब्ध हो गया, क्योंकि ऋण देने वाले अपने पैसे की वसूली के बारे में आश्वस्त थे। इन घटनाक्रमों का दक्कन के ग्रामीण क्षेत्रों पर गहरा प्रभाव पड़ा।	250-252	3

	viii. दक्कन के गांवों के किसानों को अचानक असीमित ऋण मिलने लगे। ix. बंबई दक्कन में कपास उत्पादन में विस्तार हुआ। x. युद्ध समाप्त होने पर कपास की मांग कम हो गई और भारतीय किसान कर्ज के जाल में फंस गए। xi. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (मूल्यांकन के लिए कोई तीन बिंदु)		
27.	**संविधान सभा में राज्यों के लिए अधिक शक्तियों के पक्ष में दिए गए तर्कों की परख कीजिए ।** i. जवाहरलाल नेहरू ने राष्ट्रपति को पत्र लिखकर एक सशक्त केंद्रीय प्राधिकरण की स्थापना का प्रस्ताव रखा, जो केंद्र और राज्यों के बीच शांति और समन्वय सुनिश्चित करने में सक्षम होगा। ii. संविधान के मसौदे में तीन विषयों की सूची थी: संघ, राज्य और समवर्ती। iii. के. सनाथनम ने राज्यों के अधिकारों का बचाव करते हुए कहा, "यह एक तरह का जुनून बन गया है कि केंद्र को सभी प्रकार की शक्तियां देकर हम उसे मजबूत बना सकते हैं।" यह एक गलत धारणा थी। iv. यदि केंद्र पर अत्यधिक जिम्मेदारियां डाल दी जाएं, तो वह प्रभावी ढंग से कार्य नहीं कर पाएगा। v. राजकोषीय प्रावधानों से प्रांत गरीब हो जाएंगे, क्योंकि भू-राजस्व को छोड़कर अधिकांश कर केंद्र के अधिकार क्षेत्र में आ गए थे। वित्त के बिना राज्य विकास की कोई परियोजना कैसे शुरू कर सकते हैं? vi. सनाथनम ने भविष्यवाणी की कि यदि शक्तियों के प्रस्तावित वितरण को बिना और अधिक जांच-पड़ताल के अपनाया गया तो भविष्य अंधकारमय होगा। vii. उड़ीसा के एक सांसद ने चेतावनी दी कि संविधान के तहत शक्तियों का अत्यधिक केंद्रीकरण होने के कारण "केंद्र के टूटने की संभावना है।" viii. अंबेडकर ने सलाह दी कि उन्हें "एक मजबूत और एकजुट केंद्र चाहिए, जो 1935 के भारत सरकार अधिनियम के तहत बनाए गए केंद्र से कहीं अधिक मजबूत हो"।	334-335	3

	ix. गोपालस्वामी अय्यंगार का मत था कि "केंद्र को यथासंभव मजबूत बनाया जाना चाहिए"। x. बालकृष्ण शर्मा ने कहा कि केवल एक मजबूत केंद्र ही देश के कल्याण की योजना बना सकता है, उपलब्ध आर्थिक संसाधनों को जुटा सकता है, एक उचित प्रशासन स्थापित कर सकता है और विदेशी आक्रमणों से देश की रक्षा कर सकता है। xi. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (मूल्यांकन के लिए किन्हीं तीन बिंदुओं का मूल्यांकन किया जाएगा)		
	खंड-ग **(दीर्घ उत्तरीय प्रकार के प्रश्न)**		**3x8=24**
28.	**(क) उन उदाहरणों का वर्णन कीजिए जो भारत के प्रारंभिक ऐतिहासिक काल में बंधुत्व, विवाह और शासक वंश सबंधी ब्राह्मणीय नियमों का सर्वत्र अनुसरण न होने को दर्शाते हैं।** i . यह दो चचेरे भाइयों, कौरवों और पांडवों के बीच भूमि और सत्ता को लेकर संघर्ष का वर्णन करता है, जो एक ही शासक परिवार, कौरवों के वंश से संबंधित थे,जिनका एक जनपद पर शासन था। ii.अधिकतर राजवंश पितृवंशिकता प्रणाली का अनुसरण करते थे हालांकि , इसमें विभिन्नता थी- कभी पुत्र के न होने पर एक भाई दूसरे का उतराधिकारी हो जाता था। iii. कभी-कभी बन्धु- बांधव सिंघासन पर अपना अधिकार जमाते थे, और कुछ ही खास हालात में, प्रभावती गुप्ता जैसी औरतें भी सत्ता संभालती थीं। iv. ऋग्वेद जैसे धार्मिक ग्रंथों के मंत्रों में साफ़ दिखता है। कि अमीर लोग और ब्राह्मण भी ऊँचे ओहदे का दावा करने वाले लोगों में रहे होंगे। v. धर्मसूत्र और धर्मशास्त्रों में विवाह के आठ प्रकारों को मान्यता दी गई है। इनमें से पहले चार " उत्तम" माने जाते थे, जबकि बाकी की निंदा की गई हैं। हो सकता है, कि ये उन लोगों में प्रचलित हों जो ब्राह्मणवादी नियमों को नहीं मानते थे। vi. सातवाहन शासकों से शादी करने वाली रानियों के नामों से पता चलता है कि उनमें से कई के नाम उनके पिता के गोत्र जैसे गौतम और वशिष्ठ से लिए गए थे। vii. अंतर्विवाह (एंडोगैमी) या बंधुओ में विवाह संबंध को दर्शाता हैं, जो दक्षिण भारत के कई समुदायों में प्रचलित थी। बांधवों (जैसे ममेरे, चचेरे भाई-बहन) के साथ विवाह संबंध एक सुगठित समुदाय उभर पाता था। viii. सातवाहन शासकों की पहचान मातृ -नाम के माध्यम से की जाती थी। ix . शास्त्रों के अनुसार, केवल क्षत्रिय ही राजा हो सकते थे। हालाँकि, कई महत्वपूर्ण शासक वंशों की उत्पत्ति शायद अलग-अलग थी। मौर्यों , जिन्होंने एक बड़े साम्राज्य पर शासन किय और उनके उदभव पर बहस हुई| x. अन्य शासकों को, जैसे शक जो मध्य एशिया से आए थे, को ब्राह्मणों द्वारा म्लेच्छ, बर्बर या बाहरी माना जाता था। xi. सातवाहन वंश के सबसे मशहूर शासक, गोतमी-पुत्र सिरी-सातकनी, खुद को एक अनोखा ब्राह्मण और साथ ही क्षत्रियों का घमंड तोड़ने वाला बताया था। उन्होंने यह भी दावा किया कि चारों वर्णों के लोगों के बीच विवाह संबंध होने पर	55,56,58 60,62,63	8

	उसने रोक लगाई| उसी समय, उन्होंने रुद्रदामन के परिवार से विवाह संबंध स्थापित किए। xii. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (कोई भी आठ बिन्दुओ का मूल्यांकन किया जाए) **अथवा** **(ख) महाभारत के समलोचनात्मक संस्करण को तैयार करने मे वी.एस. सुकथान्कर और उनकी टीम द्वारा अपनाई गई प्रक्रिया का वर्णन कीजिए।** i. 1919 में, भारतीय संस्कृतज्ञ वी.एस. सुकथंकर के नेतृत्व में, दर्जनों विद्वानों ने मिलकर महाभारत का सम्लोचनात्मक संस्करण तैयार करने का काम शुरू किया| ii.देश के अलग-अलग हिस्सों से, अलग-अलग लिपियों में लिखी गई महाभारत की पांडुलिपियों को एकत्रित किया गया| iii. विद्वानों ने शलोकों की तुलना करने का एक तरीका निकाला| iv. उन्होंने उन शलोकों को चुना जो सभी पांडुलिपियों में पाए गए थे| और उनका प्रकाशन 13,000 पृष्ठों में किया| v. इस परियोजना को पूरा होने में 47 वर्ष लगे। vi. दो बातें विशेष रूप से उभर कर आई: पहली संस्कृत के कई पाठो के अनेक अंशो में समानता थी| इस बात से स्पष्ट होता है कि समोंचे उपमहाद्वीप में पाई गई पांडुलिपियों में समानता देखने को मिलती है| vii.दूसरी बात स्पष्ट हैं कि इसमें बहुत ज़्यादा क्षेत्रीय प्रभेद उभर कर सामने आए | viii. कुल मिलाकर, 13,000 पेज में से आधे पेज इन्हीं बदलावों का ब्योरा देते हैं। ix यह प्रभेद उन प्रक्रियाओं को दिखाते हैं जिन्होंने प्रभावशाली परम्पराओं और लचीले स्थानीय विचार और आचरण द्वारा समाजिक इतिहासों को रूप दिया| x. इन्ही सभी प्रक्रियाओं के बारे में हमारी समझ उन ग्रंथो पर आधारित हैं जो संस्कृत में ब्राह्मणों द्वारा उन्ही के लिए लिखे गए हैं | xi. कालांतर में विद्वानों ने पाली, प्राकृत और तमिल ग्रंथो के माध्यम से अन्य परंपराओ का अध्ययन किया| xii. इन अध्ययनों से यह स्पष्ट हुआ कि आदर्शमूलक संस्कृत ग्रंथ आमतूर से अधिकारिक मांने जाते थे| xii. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (कोई भी आठ बिन्दुओ का मूल्यांकन कीजिए)	54	8
29.	**(क) "विजयनगर साम्राज्य के बारे में जानने के लिए विभिन्न स्रोत उपलब्ध हैं।" इस कथन की उदाहरणों सहित व्याख्या कीजिए |** . i. हम्पी के भग्नावशेष को 1800 ई. में कर्नल कॉलिन मैकेंज़ी नाम के एक इंजीनियर और पुरातत्वविद ने सामने लाए थे। ii. ईस्ट इंडिया कंपनी के एक कर्मचारी के रूप में, उन्होंने पहला सर्वेक्षण मानचित्र तैयार किया। iii. उन्हें मिली शुरुआती जानकारी ज़्यादातर विरुपाक्ष मंदिर और पंपादेवी मंदिर के पुजारियों की स्मृतियों पर आधारित थी।	170-192	8

	iv. 1856 से, छाया चित्रकारों ने स्मारकों के चित्र संकलित करना शुरू कर दिया, जिससे विद्वानों को उनका अध्ययन करने में मदद मिली। v.1836 की शुरुआत में ही अभिलेख विशेषज्ञों ने हम्पी के और अन्य मंदिरों में पाए गए कई दर्जन अभिलेखों को इकट्ठा करना शुरू कर दिया था। vi. इतिहासकारों ने विदेशी यात्रियों और तेलुगु, कन्नड़, तमिल और संस्कृत में लिखे गए अन्य साहित्य के विवरणों के साथ इन स्रोतों से जानकारी एकत्र की। vii. विजयनगर के सबसे मशहूर शासक कृष्णदेव राय (शासनकाल 1509-29) ने तेलुगु में राज-काज पर एक किताब लिखी, जिसे अमुक्तमाल्यद के नाम से जाना जाता है। viii. विजयनगर के राजाओं और उनके नायकों के बहुत सारे अभिलेख मिले हैं, जिनमें मंदिरों को दिए गए दान और ज़रूरी घटनाओं का ज़िक्र है। ix.कई यात्रियों ने शहर का दौरा किया और इसके बारे में लिखा, जैसे अब्दुर रज्जाक, डोमिंगो पेस, डुआर्टे बारबोसा आदि। x.पुरातात्विक अवशेष अर्थात किले और दीवारों के अवशेष, घर, प्रवेश द्वार, सड़क के फुटपाथ, महानवमी डिब्बा, दर्शक हॉल, पानी की टंकियां इत्यादि। xi. बची हुई चीज़ें- चीनी मिट्टी के बर्तनों के टुकड़े, हज़ारा राम मंदिर की मूर्तियाँ। xii. मंदिर/पवित्र स्थापत्यकला- विरुपाक्ष मंदिर, विठ्ठल मंदिर, मंडप, गोपुरम, मकबरा और मस्जिदें आदि। xiii. बीसवीं सदी के दौरान, इस स्थान का सरंक्षण भारतीय पुरातात्विक सर्वेक्षण और कर्नाटक पुरातात्विक एवं संग्राहलय विभाग द्वारा किया गया । xiv. 1976 में, हम्पी को राष्ट्रीय महत्व की जगह के तौर पर पहचान मिली। xv. 1980 के दशक की शुरुआत में, विजयनगर में मौजूद अवशेषों के सूक्ष्मता से प्रलेखन करने के लिए एक ज़रूरी परियोजना को शुरू किया गया था। इसके लिए कई तरह के अभिलेखन प्रयोग का इस्तेमाल करके व्यापक और गहन सर्वेक्षण किए गए। xvi. गहन सर्वेक्षण से छोटे मंदिरों और घरों से लेकर बड़े मंदिरों तक, हज़ारों सरंचनाओ के निशान मिले हैं और उनका प्रलेखन किया गया है। इसके कारण सड़कों, रास्तों, बाज़ारों वगैरह के अवशेष भी मिले हैं। xvii.कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (कोई भी आठ बिन्दुओ का मूल्यांकन कीजिए)		

	अथवा **(ख) "विजयनगर आने वाले विदेशी यात्री उस साम्राज्य की योजना से बहुत प्रभावित थे।" इस कथन की उदाहरणों सहित व्याख्या कीजिए |** i. 15वी सदी में फारस के शासक द्वारा कालीकट भेजा गया राजदूत अब्दुर रज्जाक, किलेबंदी से बहुत प्रभावित हुए और उन्होंने किलों की सात पंक्तियों का उल्लेख किया। ii. निर्वाण में कहीं भी गारे या जोड़ने के लिए किसी भी वस्तु का इस्तेमाल नहीं किया गया था। पत्थर के टुकड़े फानाकर थे, जो उन्हें अपनी जगह पर बनाए रखते थे, और दीवारों का अंदर का हिस्सा मिट्टी और मलबा से बना हुआ था। iii. अब्दुर रज्जाक ने कहा कि इस किले की सबसे खास बात यह थी कि इसने खेतो को घेर रखा था। iv. डोमिंगो पेस ने विजयनगर को रोम जितना बड़ा बताया है। v. डामिंगो पेस ने कृष्णदेव राय द्वारा निर्मित एक जलाशय के बारे में भी वर्णन किया। vi. उन्होंने सभा मंडप और महानवमी डिब्बा के बारे में भी कहा, जिसे उन्होंने एक साथ "विजय का भवन" की संज्ञा दी | vii. पेस ने विजयनगर साम्राज्य के बाज़ारो का विस्तृत विवरण दिया है। viii. फर्नाओ नुनिज़ ने बताया कि विजयनगर के बाज़ार "फलों, अंगूर और संतरे, नींबू, अनार, कटहल और आम से भरे हुए थे और सब बहुत सस्ते थे"। बाज़ारों में मांस भी खूब बिकता था। ix. पुर्तगाली यात्री बरबोसा ने आम लोगों के घरों के बारे में बताया है, जो अब नहीं बचे हैं: लोगों के आवास छप्पर के हैं, लेकिन फिर भी अच्छी तरह से बने हुए हैं और व्यवसाय के हिसाब से व्यवस्थित हैं, लंबी गलियों में हैं और कई खुली जगहें हैं। x.निकोलो डे कांती और अफानासी निकितिन ने भी विजयनगर साम्राज्य के बारे में लिखा। xi.कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (कोई भी आठ बिन्दुओ का मूल्यांकन कीजिए)	176-191	8
30.	**(क) 1918 से 1922 तक भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के चरण की परख कीजिए |** i. 1918 में, गांधीजी अपने गृह राज्य गुजरात में दो अभियानों में शामिल थे। सबसे पहले, उन्होंने अहमदाबाद में एक श्रम विवाद में हस्तक्षेप किया, जिसमें	289-294	8

	उन्होंने कपडा मिल के मज़दूरों के लिए बेहतर काम करने के हालात की मांग की। ii. फिर वे खेड़ा में किसानों के साथ शामिल हुए और फसल खराब होने पर राज्य से लगान माफ करने की मांग की। iii. चंपारण, अहमदाबाद और खेड़ा में की गई पहल ने गांधीजी को गरीबों के प्रति गहरी सहानुभूति रखने वाले राष्ट्रवादी के रूप में स्थापित किया। iv. 1919 में गांधीजी ने "रॉलेट एक्ट" के खिलाफ पूरे देश में अभियान चलाने की अपील की। उत्तर और पश्चिम भारत के कस्बो में, बंद के आह्वान पर दुकानें बंद हो गईं और स्कूल बंद हो गए, जिससे जीवन ठहर गया | v. अमृतसर में अप्रैल 1919, जलियाँवाला बाग हत्याकांड हुआ । vi. रॉलेट सत्याग्रह जिसने गांधीजी को सही मायने में राष्ट्रीय नेता बना दिया। vii. गांधीजी ने ब्रिटिश राज के साथ "असहयोग" अभियान चलाने का आह्वान किया। जो भारतीय उपनिवेशवाद खत्म करना चाहते थे, उनसे कहा गया कि वे स्कूल, कॉलेज और अदालत जाना बंद कर दें और कर न दें। viii. उनसे "ब्रिटिश सरकार के साथ अपनी मर्ज़ी से सभी तरह के जुड़ाव छोड़ने" का पालन करने को कहा गया। गांधीजी ने कहा कि अगर असहयोग को ठीक से किया गया, तो भारत एक साल के अंदर स्वराज प्राप्त कर लेगा। ix. उन्होंने खिलाफत आंदोलन से हाथ मिलाया था जो खिलाफत को फिर से स्थापित करना चाहता था, जो सर्व- इस्लामवाद का प्रतीक था जिसे हाल ही में तुर्की शासक केमल अतातुर्क ने खत्म कर दिया था। x. छात्रों ने सरकार द्वारा चलाए जा रहे स्कूलों और कॉलेजों में जाना बंद कर दिया। xi. वकीलों ने अदालत में जाने से मना कर दिया। xii. कई शहरों और कस्बों में मज़दूर वर्ग हड़ताल पर चले गए । सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 1921 में 396 हड़तालें हुईं, जिनमें 6 लाख मज़दूर शामिल थे और 7 लाख काम के दिनों का नुकसान हुआ। xiii. ग्रामीण इलाके भी नाराज़गी से भरे हुए थे। उत्तरी आंध्र में पहाड़ी जनजातियाँ जंगल के कानून तोड़ रही थीं। xiv.अवध में किसान कर नहीं दे रहे थे। xv.कुमाऊं के किसानों ने औपनेवैशिक अधिकारियों के लिए सामान ढोने से मना कर दिया। ये विरोध आंदोलन कभी-कभी स्थानीय राष्ट्रवादी नेतृत्व के खिलाफ जाकर किए जाते थे।		

	xvi. असहयोग शांति की दृष्टि से नकारात्मक था,किन्तु प्रभाव की दृष्टि से बहुत सकरात्मक था| इसमें प्रतिवाद, त्याग और स्व अनुशासन शामिल थे | यह स्व शासन का प्रशिक्षण था । xvii. असहयोग आंदोलन के कारण 1857 के विद्रोह के बाद पहली बार ब्रिटिश राज की नींव हिल गई। xviii. फरवरी 1922 में, किसानों के एक समूह ने सयुक्त प्रान्त के चौरी चौरा पुरवा में एक पुलिस स्टेशन पर हमला किया और उसमे आग लगा दी। आग में कई पुलिस वालों की जान गई। इस हिंसा की वजह से गांधीजी ने आंदोलन पूरी तरह से बंद कर दिया। xix. असहयोग आंदोलन के दौरान हज़ारों भारतीयों को जेल में डाल दिया गया । गांधीजी को मार्च 1922 में गिरफ्तार किया गया और उन पर देशद्रोह का आरोप लगाया गया। xx. 1917 और 1922 के बीच, बहुत प्रतिभाशाली भारतीयों का एक वर्ग गांधीजी से जुड गया। इनमें महादेव देसाई, वल्लभ भाई पटेल, जे.बी. कृपलानी, सुभाष चंद्र बोस, अबुल कलाम आज़ाद, जवाहरलाल नेहरू, सरोजिनी नायडू, गोविंद बल्लभ पंत और सी. राजगोपालाचारी शामिल थे। xxi. गांधीजी के ये करीबी साथी अलग-अलग क्षेत्रो और अलग-अलग धार्मिक परंपराओं से थे। उन्होंने अनगिनत दूसरे भारतीयों को कांग्रेस में शामिल होने और इसके लिए काम करने के लिए प्रेरित किया। xxii. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (कोई भी आठ बिन्दुओ का मूल्यांकन कीजिए) **अथवा** **(ख) 1927 से 1931 तक भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के चरण की परख कीजिए।** i. महात्मा गांधी ने अपने सामाजिक और रचनात्मक सुधार कार्यों पर ध्यान केंद्रित किया। ii. लेकिन, 1928 में उन्होंने राजनीति में फिर से आने के बारे में सोचना शुरू कर दिया। उस साल उपनिवेश के हालात की जांच करने के लिए इंग्लैंड से भेजे गए पूरी तरह से शवेत सदस्यों वाले साइमन कमीशन के विरोध में पूरे भारत में एक अभियान चलाया जा रहा था । iii. गांधीजी ने स्वम इस आंदोलन में हिस्सा नहीं लिया, हालांकि उन्होंने इसे अपना आशीर्वाद दिया, जैसा कि उन्होंने उसी साल बारदोली में एक किसान सत्याग्रह किया| iv. दिसंबर 1929 के अंत में, कांग्रेस का वार्षिक अधिवेशन लाहौर शहर में हुआ। यह अधिवेशन दो वजहों से महत्पूर्ण थी: जवाहरलाल नेहरू का अध्यक्ष के तौर	295-300	8

	पर चुनाव, जिसका मतलब था नेतृत्व की बागडोर युवा पीढ़ी को सौंपना; और "पूर्ण स्वराज" या पूरी आज़ादी के लिए उदघोषणा का ऐलान। v. 26 जनवरी 1930 को "स्वतंत्रता दिवस" मनाया गया, जिसमें अलग-अलग जगहों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया और देशभक्ति के गीत गाए गए। गांधीजी ने खुद इस बारे में सटीक निर्देश दिए थे कि इस दिन को कैसे मनाया जाना चाहिए। vi. समारोह की शुरुआत राष्ट्रीय ध्वज फहराने से होगी। बाकी दिन "कुछ रचनात्मक काम करने में बीतेगा, चाहे वह सूत कातना हो, या 'अछूतों' की सेवा हो, या हिंदू और मुस्लिम का मिलन हो या शराबबंदी का काम हो जो नामुमकिन नहीं है।" vii. इसमें हिस्सा लेने वाले लोग यह शपथ लेंगे कि "भारतीय लोगों का, किसी भी दूसरे लोगों की तरह, स्वतंत्रता पाने और अपनी मेहनत का फल पाने का अधिकार है", और "अगर कोई सरकार लोगों को इन अधिकारों से दूर रखती है और उन पर दमन करती है, तो लोगों को इसे बदलने या समाप्त करने का भी अधिकार है"। viii. इस "स्वतंत्रता दिवस" के तुरंत बाद, महात्मा गांधी ने घोषणा की कि वे ब्रिटिश भारत के सबसे नापसंद कानूनों में से एक को तोड़ने के लिए दांडी मार्च का नेतृत्व करेंगे, जो राज्य को नमक बनाने और बेचने का एकाधिकार देता था। नमक के एकाधिकार मुद्दे का चयन किया वह गांधीजी की रणनीतिक समझदारी का एक और उदाहरण था। ix. हर भारतीय घर में नमक ज़रूरी था; फिर भी लोगों को घर में इस्तेमाल के लिए भी नमक बनाने से मना किया गया था, जिससे उन्हें दुकानों से ज़्यादा कीमत पर नमक खरीदना पड़ता था। नमक पर सरकारी एकाधिकार बहुत अलोकप्रिय था| इसे अपना निशाना बनाकर गांधीजी ने असंतोष प्रकट किया| x. 12 मार्च 1930 को गांधीजी साबरमती में अपने आश्रम से समुद्र की ओर चल पड़े। वे तीन हफ़्ते बाद अपनी गंतव्य पर पहुँचे, और ऐसा करते हुए उन्होंने मुट्ठी भर नमक बनाया और इस तरह कानून की निगाह में अपराधी बन गए। xi. भारत के बड़े हिस्सों में, किसानों ने उन पुराने जंगल कानूनों को तोड़ा, जिनके तहत उन्हें और उनके जानवरों को उन जंगलों से बाहर रखा गया था, जिनमें वे कभी आज़ादी से घूमते थे। xii. कुछ कस्बों में फैक्ट्री के मज़दूर हड़ताल पर चले गए| xiii. वकीलों ने ब्रिटिश अदालतों का बहिष्कार किया और विद्यार्थियों ने सरकारी शिक्षा संस्थानों में जाने से मना कर दिया।		

	xiv. नमक मार्च इसलिए खास था क्योंकि इसे यूरोपियन और अमेरिकन प्रेस ने बड़े पैमाने पर कवरेज दी| xv. महिलाओं ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया| xvi. अंग्रेजों को यह एहसास दिलाया कि उनका राज हमेशा नहीं चलेगा। xvii. ब्रिटिश सरकार ने लंदन में "गोल मेज सम्मलेन" का आयोजन किया । पहला सम्मलेन नवंबर 1930 में हुआ, लेकिन भारत के किसी प्रमुख नेता के सम्मिलित हुए बिना, यह विफल साबित हुई। xviii. गांधीजी जनवरी, 1931 में जेल से रिहा हुए और अगले महीने वायसराय के साथ उनकी कई लंबी बैठके हुईं। इनका नतीजा "गांधी-इरविन समझौता" के तौर पर सामने आया, जिसके तहत नमक आन्दोलन वापिस ले लिया गया| सभी कैदियों को रिहा कर दिया जाएगा, और समुद्र के किनारे नमक बनाने की अनुमति दी जाएगी। xix.1931 के आखिर में लंदन में दूसरा गोल मेज सम्मलेन हुआ। यहां गांधीजी ने कांग्रेस का नेतृत्व किया। xx. लंदन में सम्मलेन किसी नतीजे पर नहीं पहुँचा, इसलिए गांधीजी भारत लौट आए और नमक आन्दोलन फिर से शुरू कर दिया। xxi.कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (कोई भी आठ बिन्दुओ का मूल्यांकन कीजिए)		
	खंड-घ **(स्रोत आधारित प्रश्न)**		**3x4=12**
31.	<u>पहाड़ी कबीलों और मैदानों के बीच व्यापार, लगभग 1595</u> **(31.1) पहाड़ों और मैदानों के बीच का व्यापार मुगल अर्थव्यवस्था के लिए क्यों महत्वपूर्ण था?** (क) साम्राज्य के अंदर सामान का लेन-देन था । (ख) वाणिज्यिक कृषि का प्रसार | (ग) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (कोई एक बिन्दु का मूल्यांकन कीजिए) **(31.2) मैदानी लोगों को पहाड़ी जनजातियों के साथ व्यापार से कैसे लाभ हुआ?** (क) उन्हें दैनिक उपयोग के लिए वन उत्पाद प्राप्त होते थे। (ख) वन वस्तुओं का विदेशों में निर्यात किया गया। (ग) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (कोई एक बिन्दु का मूल्यांकन कीजिए) **(31.3) अबुल फजल ने पहाड़ी जनजातियों द्वारा ले जाने वाले माल की विविधता का वर्णन किस प्रकार किया?**	210	1 1 2

	(क) उत्तरी पहाड़ों से बड़ी मात्रा में सामान लोगों की पीठ पर लादकर लाया जाता है। (ख) मोटे- मोटे घोड़ो की पीठ पर (ग) बकरों की पीठ पर (घ) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (कोई दो बिन्दुओं का मूल्यांकन कीजिए)		
32.	**<u>सिपाही क्या सोचते थे</u>** **(32.1) सिपाहियों ने 'अर्ज़ी' में अपने विद्रोह को कैसे उचित ठहराया?** (क) सिपाही अपने धर्म और आस्था को बचाए रखना चाहते थे। (ख) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (कोई एक बिन्दु का मूल्यांकन कीजिए) **(32.2) अंग्रेजों ने नए कारतूसो को कैसे प्रस्तुत किया?** (क) साल 1857 में अंग्रेजों ने हुकुम जारी किया कि इंग्लैंड से आए नए कारतूस और बंदूकें दी जाएगी। (ख) नए कारतूसों में गाय और सूअर की चर्बी मिली हुई हैं । (ग) उन्होंने ये कारतूस 3rd लाइट कैवेलरी के घुड़सवार सैनिकों को दिए और उन्हें दांतों से खींचने का आदेश दिया। (घ) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (कोई एक बिन्दु का मूल्यांकन कीजिए) **(32.3) सिपाहियों और भारतीय मुखियाओं ने साथ मिलकर कार्य क्यों किया?** (क) उनका एक ही दुश्मन ब्रिटिश सरकार थी। (ख) उनका मानना था कि एकता से ताकत मिलती है। (ग) वे अपने धर्म और आस्था की रक्षा करना चाहते थे। (घ) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (कोई दो बिन्दुओं का मूल्यांकन कीजिए)	273	1 1 2
33.	**<u>बौद्ध ग्रंथ किस प्रकार तैयार एवं संरक्षित किए जाते थे</u>** **(33.1) बुद्ध के सभाषणों को उनके जीवनकाल में क्यों नहीं लिखा गया ? सपष्ट कीजिए |** (क) उन्हें मौखिक रूप से पढ़ाया जाता था (ख) उनके अनुयायियों द्वारा चर्चा और बहस के माध्यम से उन पर चर्चा की जाती थी। (ग) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (कोई एक बिन्दु का मूल्यांकन कीजिए) **(33.2) संरक्षण के लिए लिखने से पहले मौखिक रूप से प्रेषित करने के प्रभाव का आकलन कीजिए ।** (क) बातचीत से चर्चा हुई| (ख) पुरुष, महिलाएं और बच्चे इन प्रवचनों में शामिल हुए और उन्होंने जो सुना, उस पर चर्चा की।	86	1 1

	(ग) उनके बाद उनकी शिक्षाओं को उनके शिष्यों ने वेसली में 'बुज़ुर्गों' या वरिष्ठ भिक्षुओं की एक सभा बुलाई गई , उनकी शिक्षाओं का संकलन किया गया । (घ) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (कोई एक बिन्दु का मूल्यांकन कीजिए) **(33.3) विनय पिटक और सुत्त पिटक के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए ।** (क) विनय पिटक में संघ या मठों में रहने वाले लोगों के लिए नियमों का संग्रह था| (ख) बुद्ध की शिक्षाएँ सुत्त पिटक में शामिल की गई । (ग) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (कोई दो बिन्दुओं का मूल्यांकन कीजिए)		2
	खंड-ड. **(मानचित्र आधारित प्रश्न)**		**3+2=5**
34	**(34.1) भारत के दिए गए राजनीतिक रेखा- मानचित्र (पृष्ठ 27 पर) में निम्नलिखित स्थानों को उपयुक्त चिन्हों से अंकित कीजिए और उनके नाम लिखिए:** (i) धोलावीरा – विकसित हड़प्पा स्थल (ii) नागार्जुनकोंडा – प्राचीन बौद्ध स्थल (iii) (क) आगरा – मुगलों के अधीन क्षेत्र **अथवा** (ख) बीजापुर – मध्यकालीन राज्य **(34.2) भारत के इसी राजनीतिक रेखा- मानचित्र पर, भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन से संबंधित केन्द्रों को 'A' और 'B' दो स्थानों के रूप में अंकित किया गया है। उनको पहचानिए और उनके सही नाम उनके निकट खींची गई रेखाओं पर लिखिए।** A. कलकत्ता B. अमृतसर	2 95 214 174 289-290	1 1 1 1 1 1
	नोट: निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित परिक्षथीयों के लिए प्रश्न संख्या 34 के स्थान पर हैं: **(34.1) वर्तमान पाकिस्तान में किसी एक विकसित हड़प्पा पुरास्थल का उल्लेख कीजिए।** हड़प्पा/मोहनजोदड़ो/ चन्हूदड़ो /बालाकोट/कोट दीजी (कोई एक)	2	1
	(34.2) पूर्वी भारत में स्थित एक प्राचीन बौद्ध स्थल का उल्लेख कीजिए । सारनाथ/बोधगया/लुम्बिनी (कोई एक)	95	1
	(34.3) (क) मुगलों के अधीन किसी एक क्षेत्र का नाम लिखिए। आगरा/पानीपत/अजमेर/दिल्ली/अंबर/लाहौर/गोवा (कोई एक) **अथवा**	214	1
	(34.3) (ख) विजयनगर साम्राज्य के किसी एक पड़ोसी राज्य का नाम लिखिए। बीदर / गोलकोंडा / बीजापुर (कोई एक)	174	1

	(34.4) भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन के किन्हीं दो केन्द्रों के नाम लिखिए। चंपारण/खेड़ा/अहमदाबाद/बनारस/अमृतसर/चौरी-चौरा/लाहौर/बारडोली/दांडी/बॉम्बे/कराची (कोई दो)	287-305	2

प्रश्न सं. 34 के लिए

For question no. 34